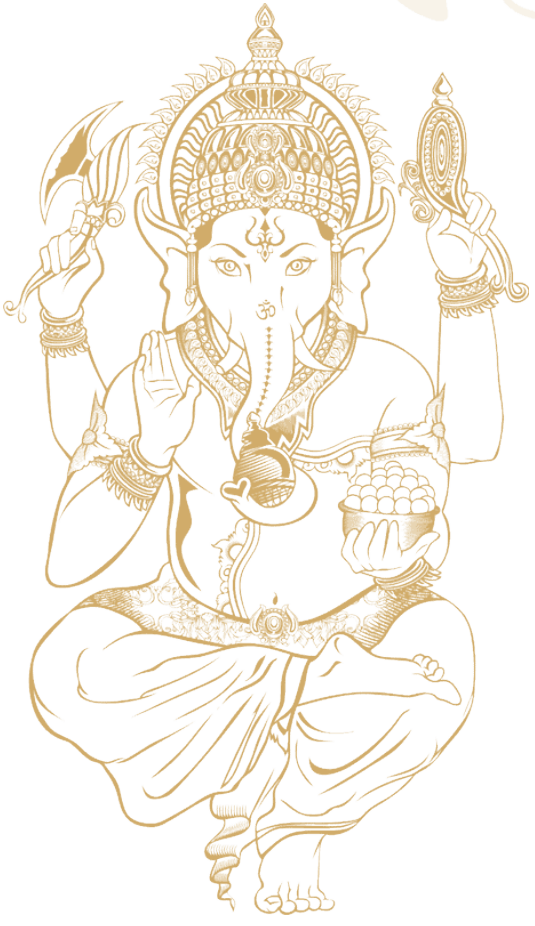

Mr. Prashant Kumar

Rupanjali Kumari

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120313102

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
18/08/1998	जन्म तिथि	18/06/2000
मंगलवार	दिन	रविवार
घंटे 22:42:00	जन्म समय	23:23:00 घंटे
घटी 43:16:31	जन्म समय(घटी)	46:04:27 घटी
India	देश	India
Motihari	स्थान	Motihari
26:40:00 उत्तर	अक्षांश	26:40:00 उत्तर
84:55:00 पूर्व	रेखांश	84:55:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:09:40	स्थानिक संस्कार	00:09:40 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:23:23	सूर्योदय	04:57:13
18:24:35	सूर्यास्त	18:45:45
23:50:09	चित्रपक्षीय अयनांश	23:51:33

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
गुरु 14वर्ष 3मा 7दि		27:51:43	मेष	लग्न	कुंभ	22:53:02	शुक्र 4वर्ष 7मा 13दि	
शनि		01:43:05	सिंह	सूर्य	मिथु	03:55:05	मंगल	
24/11/2012		21:26:31	मिथु	चंद्र	धनु	23:35:13	31/01/2021	
25/11/2031		04:49:03	कर्क	मंगल	मिथु	07:37:58	01/02/2028	
शनि	28/11/2015	23:44:19	कर्क व	बुध	मिथु	25:17:40	मंगल	29/06/2021
बुध	07/08/2018	02:38:23	मीन व	गुरु	वृष	03:39:21	राहु	18/07/2022
केतु	16/09/2019	12:40:41	कर्क	शुक्र	मिथु	05:55:03	गुरु	23/06/2023
शुक्र	16/11/2022	09:47:06	मेष व	शनि	वृष	01:25:20	शनि	01/08/2024
सूर्य	29/10/2023	07:38:07	सिंह व	राहु व	कर्क	00:49:13	बुध	29/07/2025
चन्द्र	29/05/2025	07:38:07	कुंभ व	केतु व	मक	00:49:13	केतु	26/12/2025
मंगल	08/07/2026	16:19:30	मक व	हर्ष व	मक	26:43:45	शुक्र	25/02/2027
राहु	14/05/2029	06:15:50	मक व	नेप व	मक	12:16:59	सूर्य	03/07/2027
गुरु	25/11/2031	11:27:43	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	17:13:45	चन्द्र	01/02/2028

लग्न-चलित

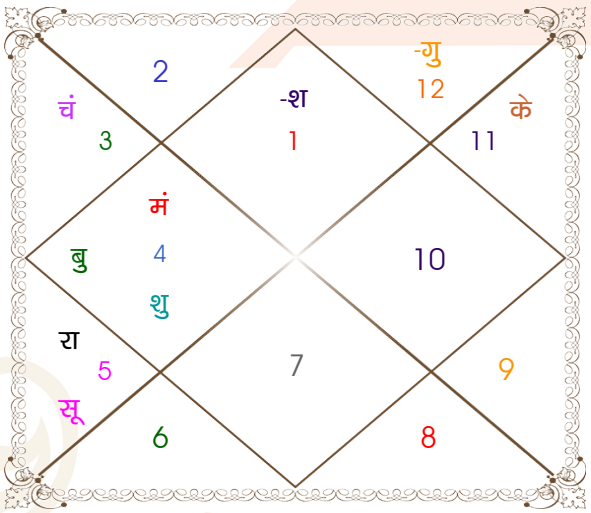

लग्न-चलित

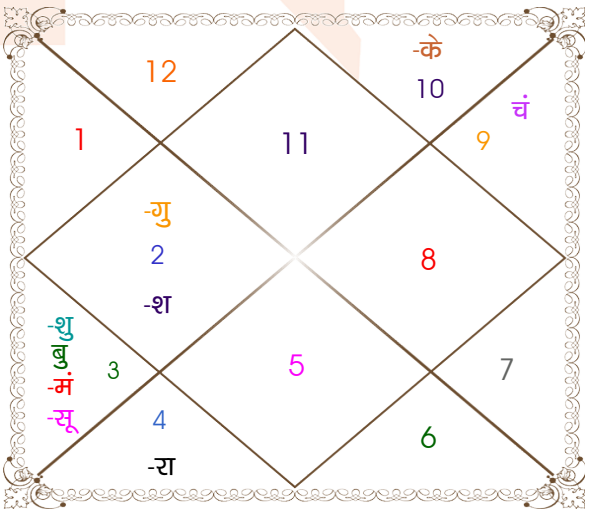

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मार्जार	वानर	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	गुरु	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मिथुन	धनु	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	26.00		

डतण च्वींदज झनउंत का वर्ग मार्जार है तथा Rupanjali Kumari का वर्ग श्वान है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतण च्वींदज झनउंत और Rupanjali Kumari का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

डतण च्वींदज झनउंत मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

चतुः सप्तमे भौमो मेषकर्कटे निग्रहः।
कुजदोषो न विद्यते।।

अर्थात् चतुर्थ तथा सप्तम भाव में यदि मेष या कर्क का मंगल हो तो कुजदोष समाप्त हो जाता है। क्योंकि मंगल डतण च्वींदज झनउंत कि कुण्डली में चतुर्थ भाव में कर्क राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल डतण च्वींदज झनउंत कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Rupanjali Kumari मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम् भाव में स्थित है।

यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।
अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।।

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दौष नहीं लगता।

क्योंकि शनि Rupanjali Kumari कि कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Rupanjali Kumari कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डतण च्वींदज झनउंत तथा Rupanjali Kumari में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।